	इकाई	1985–86	1986–87
3. रोजगार के सृजित अवसर			
(क) लक्ष्य	लाख श्रम दिवस	281	262
(ख) उपलब्धि	—वही—	232.73	328.66

ऊपर की सारणी से स्पष्ट है कि एक महत्वपूर्ण प्रगति सातवीं पंचवर्षीय योजना के पहले दो वर्षों के दौरान बिहार राज्य में विभिन्न गरीबी उन्मूलन कार्यक्रमों के अन्तर्गत की गई है। उन व्यक्तियों की संख्या के बारे में कोई सूचना उपलब्ध नहीं है, जो गरीबी की रेखा से नीचे है।

(घ) सातवीं पंचवर्षीय योजना में गरीबी उन्मूलन कार्यक्रमों के सफल कार्यान्वयन के लिए लोगों को इस काम में शामिल करने पर विशेष बल दिया गया है। योजना में आयोजन और विकास प्रशासन के विकेन्द्रीकरण के लिए कारगर कदम उठा कर और विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में स्वैच्छिक अभिकरणों की सहभागिता में वृद्धि करके यह कार्य करने का प्रस्ताव है।

बैंकों में राजभाषा का प्रयोग

3099. श्री जगदम्बी प्रसाद यादव : क्या **वित्त** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) देश में राष्ट्रीयकृत बैंक और उनके अध्यक्षों तथा प्रबंध निदेशकों के नाम क्या-क्या हैं ;

(ख) इन बैंकों में से प्रत्येक बैंक की कितनी कितनी शाखायें हिन्दी भाषी राज्यों के "क" क्षेत्र में स्थित हैं और उनमें कितनी शाखाओं में शत प्रतिशत कार्य राजभाषा हिन्दी में किया जाता है और कितना शाखाओं में क्रमशः 75,50 तथा 25 प्रतिशत कार्य हिन्दी में किया जाता है ;

(ग) इस संबंध में "ख" क्षेत्र की क्या स्थिति है और जहां तक कार्य के राजभाषा हिन्दी में किए जाने का संबंध है देश के सभी बैंकों में सौराष्ट्र चोटी पर है और इस संबंध में दूसरा स्थान महाराष्ट्र ने लिया है ; और

(घ) इन बैंकों की कितनी पत्र-पत्रिकायें (गृह पत्रिका समेत) राजभाषा में निकलती हैं तथा कितनी और पत्रिकाओं का हिन्दी में निकाले जाने का विचार है ?

वित्त मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री जनार्दन पुजारी) : (क) सरकारी क्षेत्र के 28 बैंकों और उनके मुख्य कार्यालयों के नाम अनुबंध में दिए गए हैं। [**देखिए** परिशिष्ट CXLIII, अनुबंध संख्या 120]

(ख) और (ग) भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा दी गई सूचना के अनुसार 31 दिसम्बर, 1986 को "क" और "ख" क्षेत्रों में सरकारी क्षेत्र के 28 बैंकों की शाखाओं की संख्या और इन क्षेत्रों में हिन्दी में किए जाने वाले काम का ब्यौरा क्रमशः अनुबंध-II और अनुबंध-III में दिया गया है। [**देखिए** परिशिष्ट CXLIII अनुबंध संख्या 121] चूंकि शाखाओं की संख्या की तारीख और हिन्दी में किए जाने वाले काम की प्रतिशतता के अनुसार उनका ब्यौरा दर्शाने वाली तारीख एक समान नहीं है, इसलिए संभव है कि जोड़ मेल न खाए।

भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा दी गई सूचना के अनुसार, "ख" क्षेत्र के वास्ते वर्ष 1985 का भारतीय रिजर्व बैंक गवर्नर राजभाषा शील्ड का परिणाम निम्नानुसार था :—

प्रथम	केनरा बैंक
	यूनियन बैंक आफ इंडिया
द्वितीय	स्टेट बैंक आफ बीकानेर एंड जयपुर

तृतीय बैंक आफ महाराष्ट्र

श्रेष्ठता प्रमाण पत्र :—

बैंक आफ इंडिया, बैंक आफ बड़ौदा, सेंट्रल बैंक आफ इंडिया, पंजाब नेशनल बैंक और ओरियंटल बैंक आफ कामर्स

(घ) भारतीय रिजर्व बैंक ने सूचित किया है कि वर्तमान आंकड़ा सूचना प्रणाली से प्रश्न में पूछे गए ढंग से सूचना प्राप्त नहीं होती। अलबत्ता सरकारी क्षेत्र के सभी बैंक अपनी गृह पत्रिकाएं प्रकाशित करते हैं जिनमें हिन्दी खण्ड भी होता है। सरकारी क्षेत्र के कई बैंक अपने मंडल/क्षेत्रीय अंचल स्तरों पर भी अलग से हिन्दी पत्रिकाएं प्रकाशित करते हैं।

Complaint Lodged against M/s. Reliance Industries

3100. SHRI BEKAL UTSAHI: Will the Minister of FINANCE be pleased to state:

(a) whether it is a fact that Central Excise Collectorate has lodged a criminal complaint against M/s. Reliance Industries for evading excise duty to the tune of rupees 1.17 crores as reported in the Times of India on 5th August, 1987; and

(b) if so, the details thereof?

THE MINISTER OF STATE IN THE DEPARTMENT OF EXPENDITURE IN THE MINISTRY OF FINANCE (SHRI B. K. GADHVI): (a) Yes, Sir.

(b) The criminal complaint has been filed on 4-8-1987 against the company and the following persons:—

(1) Shri Sumanbhai T. Patel, Deputy Excise Officer	of M/s. Reliance Industries Ltd.
(2) Shri Dilipbhai R. Patel, Excise Clerk	Do.
(3) Shri Manubhai B. Patel, Excise Incharge	Do.
(4) Shri V.T. Pai, General Manager (Finance).	Do.
(5) Shri N.H. Ambani, Executive Director	Do.
(6) Shri Dhirubhai H. Ambani, Chairman & Managing Director	Do.
(7) Shri Sohan Chaturvedi, Partner of (Chartered Accountants).	M/s. Chaturvedi and Shah
(8) Shri Narotambhai B. Shah, Senior Assistant (Chartered Accountants).	of M/s. Rajendra and Co.